SHRI H.K. JAVARE GOWDA: I will conclude in two minutes. I am not going to take much time.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What we will do is, after the Prime Minister's statement, we will clear this Bill. No tomorrow; there is nothing much in it now.

SHRI H.K. JAVARE GOWDA: Yes, Madam. I agree.

---

## STATEMENT BY PRIME MINISTER

### Recent Visit of Shri Vladimir Putin, Hon'ble President of Russian Federation to India

**प्रधानमंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी)** : महोदया, रूसी संघ के राष्ट्रपति 3 से 5 दिसम्बर तक राजकीय दौरे पर भारत आए थे । उन की इस यात्रा ने हर वर्ष शिखर बैठकें आयोजित करने की उस नई परम्परा को कायम रखा है जिस की हम ने अक्टूबर, 2000 से शुरूआत की थी । राष्ट्रपति पुतिन हमारे राष्ट्रपति जी से मिले जिन्होंने गणमान्य अतिथि के सम्मान में प्रीतिभोज दिया । उप-राष्ट्रपति, उप-प्रधान मंत्री, विदेश मंत्री और लोक सभा में विपक्ष की नेता ने राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की । राष्ट्रपति पुतिन और मैंने द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक बातचीत की और आपसी हित के क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया । इस विचार-विनर्श से भारत एवं रूस के पारस्परिक हितों के अनेक मुद्दों पर हमारी गहन सहमति मुखरित हुई है ।

इस यात्रा के समापन पर जो महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए गए, वे हमारे अनेकानेक हितों को परिलक्षित करते हैं । इनमें स्ट्रैटजिक भागीदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाने संबंधी दिल्ली घोषणा-पत्र, आर्थिक, वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकीय सहयोग को मजबूत करने हेतु एक संयुक्त घोषणा-पत्र तथा आतंकवाद से निपटने में सहयोग करने संबंधी एक समझौता-ज्ञापन शामिल हैं । ये दस्तावेज तथा इस यात्रा से संबंधित संयुक्त वक्तव्य सदन के पटल पर रख दिए गए हैं । दूरसंचार के क्षेत्र में सहयोग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित दस्तावेजों पर भी हस्ताक्षर किए गए । कर्नाटक सरकार तथा रूसी संघ के समारा क्षेत्र के बीच सहयोग संबंधी एक प्रोटोकॉल पर भी हस्ताक्षर किए गए । हम समझते हैं कि इन दस्तावेजों से भारत और रूसी संघ के बीच बहु-आयामी सहयोग के राजनैतिक कानूनी आधार को और मजबूती मिलेगी ।

राष्ट्रपति पुतिन और मैं इस बात पर सहमत हुए कि हमारे दोनों देशों को अपने व्यापार तथा आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए नई पहल करनी चाहिए । हमें अधिक मूल्य एवं उच्च तकनीक वाली वस्तुओं तथा तेल एवं गैस, हीरा आदि जैसे क्षेत्रों में व्यापार बढ़ाना होगा । हमें व्यापार के क्षेत्र में विविधता लाने की तत्काल जरूरत है क्योंकि रुपए और रूबल के संबंध में हमारे द्विपक्षीय समझौते के तहत ऋण भुगतान की मात्रा में वर्ष 2005 से तेजी से गिरावट

आएगी। इस समय भारत से रूस को किया जाने वाला लगभग समस्त निर्यात इसी ऋण भुगतान द्वारा पोषित होता है । हम आपसी निवेश बढ़ाने की जरूरत पर भी सहमत हुए ।

ऊर्जा के क्षेत्र मे सहयोग हमारे दोनों देशो के लिए दीर्घकालीन स्ट्रॅटजिक महत्व रखता है । दोनो पक्ष विश्व ऊर्जा उत्पादन और आपूर्ति जो हमारी ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करती है, पर समुचित व्यवस्था के तहत नियमित रूप से द्विपक्षीय विचार-विमर्श करेगे । सखालिन-1 परियोजना मे हमारे सहयोग मे अच्छी प्रगति हुई है । हम कैस्पीयन सागर सहित अन्य क्षेत्रो की परियोजनाओ मे तथा ऊर्जा क्षेत्र के दूसरे पहलुओं पर अपने सहयोग को बढाने पर सहमत हुए हैं।

कुदनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना के कार्यान्वयन की प्रगति पर हमने संतोष व्यक्त किया और यह महसूस किया कि इस क्षेत्र मे और अधिक सहयोग दोनो देशो के हित मे होगा । राष्ट्रपति पुतिन ने परमाणु ऊर्जा को असैनिक कार्यो के लिए इस्तेमाल मे लाने के संबंध मे भारत के साथ सहयोग को जारी रखने मे रूस की दिलचस्पी की पुष्टि की । हमारी बातचीत के बाद, संयुक्त प्रेस सम्मेलन में उन्होने विचार व्यक्त किया कि इन मामलो मे अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था मे सुधार लाने की जरूरत है । हम इस बात पर पूरी तरह से सहमत हैं ।

माननीय सदस्यो को मालूम ही है, भारत और रूस के बीच रक्षा के क्षेत्र में व्यापक सहयोग है । अब हमारा सहयोग केवल हथियारो के क्रेता और विक्रेता तक ही सीमित नही है बल्कि इसमे संयुक्त रूप से अनुसंधान, विकास और उत्पादन भी शामिल है । अत्याधुनिक ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र हमारे संयुक्त अनुसंधान और विकास प्रयासों का परिणाम है । भारत और रूस दोनों ही इस प्रक्षेपास्त्र प्रणाली का संयुक्त उत्पादन शुरू करने जा रहे हैं ताकि इसे दोनो देशो के सशस्त्र बलों में शामिल किया जा सके । राष्ट्रपति पुतिन और मैं इस बात पर सहमत थे कि ऐसी कई अन्य परियोजनाएं हैं जिनमें हम भविष्य मे सहयोग कर सकते हैं ।

दिल्ली घोषणा-पत्र में इस सिद्धांत पर बल दिया गया है कि हम दोनो मे से कोई सा भी देश ऐसी कोई कार्रवाई नहीं करेगा जिससे दूसरे देश की सुरक्षा पर कोई आंच आए । हमने यह घोषणा की है कि दोनो देश अपनी सुरक्षा तथा रक्षा नीतियों मे और तीसरे देशो के साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग करते समय इन सिद्धांतो का पालन करेगे । ये महत्वपूर्ण आपसी वचनबद्धताएं भारत और रूस के बीच सक्रिय रक्षा संबंधो को सुदृढ़ करती हैं । अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति की समीक्षा करते समय हमारा यह समान मत था कि अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए ठोस और स्थायी उपाय किए जाने चाहिए । आतंकवाद के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावो और विशेषकर प्रस्ताव संख्या 1373 का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए । भारत और रूस दोनो ही आतंकवाद से पीड़ित हैं और आतंकवाद की जड़ें हमारे दोनों देशो के पड़ोस मे फैली हुई हैं, इसलिए भारत और रूस का ठोस सुरक्षा हित इसी में निहित है कि इस खतरे का मुकाबला राष्ट्रीय और द्विपक्षीय स्तर पर निवारक और निरोधक उपायों के जरिए किया जाए । आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त कार्यदल गठित करने संबंधी समझौते से इस क्षेत्र में हमारा सहयोग और सुदृढ़ होगा ।

भारत और रूस ने अलकायदा और तालिबान ताकतो, जिनका उनके प्रायोजको से बराबर संपर्क बना हुआ है, के फिर से एकजुट होने से अफगानिस्तान की सुरक्षा को जो खतरा बना हुआ है, उस पर भी चिन्ता जाहिर की । हमने राष्ट्रपति करजाई की सरकार का, तथा राष्ट्रीय मेल-

**5.00 p.m.**

मिलाप, आर्थिक पुनर्स्थापना और अफगानी संस्थाओ के पुननिर्माण के लिए उसके द्वारा किए जा रहे प्रयासो का, पूर्ण समर्थन किया । भारत और रूस अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण कार्यों को बढ़ावा देने मे सहयोग करेगे । इनमे अफगानिस्तान की प्राथमिकताओ को ध्यान में रखा जाएगा । अफगानिस्तानी नेतृत्व के साथ भारत अपनी द्विपक्षीय बातचीत भी जारी रखेगा तथा अफगानिस्तान की जनता के साथ अपने पारम्परिक संबंधो को और सुदृढ़ बनाएगा ।

दक्षिण-एशिया की स्थिति पर हमारे दृष्टिकोणो की समरसता को हमारे संयुक्त वक्तव्य में दर्शाया गया है । रूस हमारे इस रुख से सहमत है कि हम पाकिस्तान के साथ बातचीत तभी शुरू कर सकते हैं जब वह सीमा पार से घुसपैठ रोके और पाकिस्तान तथा पाक-नियंत्रित क्षेत्र में आतंकवादी शिविरो को नष्ट करे ।

संक्षेप मे, राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा से भारत और रूस के आपसी हितो से जुड़े सभी मुद्दों पर हमारी शिखर स्तरीय बातचीत को जारी रखने का महत्वपूर्ण उद्देश्य पूरा हुआ है । इस यात्रा से हमारी इस आपसी प्रतिबद्धता को बल मिला है कि हम अपनी स्ट्रेटेजिक भागीदारी को निरंतर सुदृढ़ बनाएं, अपने राजनैतिक विचार-विमर्शों मे तेजी लाएं और अपने आर्थिक संबंधो को नया स्वरूप प्रदान करे । इस यात्रा से प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्दो पर हमारे समान दृष्टिकोण की पुष्टि हुई है ।

हम रूस के साथ अपने संबंधो को सर्वोच्च महत्व देते रहेगे । वार्षिक शिखर बैठकें आयोजित करने की हमारी प्रतिबद्धता को ध्यान मे रखते हुए मैंने अगले वर्ष रूस की यात्रा करने के राष्ट्रपति पुतिन के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है । धन्यवाद ।

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now, I have four names. This is a statement of facts. I do not know, Mr. Pillai, what clarifications you can seek on it?

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI (Kerala) : Madam, I have only two points. We all welcome the widening of the frontiers of friendship and co-operation with Russia. Of course, we consider that the interests of India can be better served in a multi-polar world. In this context, the Russian President has revived the proposal of a trilateral friendship arrangement between Russia, China and India. There were press reports to that effect. I would like to know whether the Russian President has made any concrete proposal with regard to this trilateral friendship between Russia, China and India and has he outlined the parameters of this trilateral friendship?

The second query is related to a paragraph of the 'Delhi Declaration'. It is in the middle of page 4. I quote "we call for early start of multilateral talks aimed at preparing a comprehensive arrangement on non-deployment of weapons in outer space, non-use or threat of use of force in respect of space-based objects and preserving the use of space for full

range of co-operative, peaceful and development activities". Does it mean that India has changed its earlier position? When the United States of America announced its plan for a National Missile Defence Programme, India lent its support.

Now, in this agreement India is not in favour of using the outer space for this purpose. I would like to know whether India has changed its earlier position with regard to arming the outer space. These are my two queries.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Madam, I congratulate the Prime Minister on having developed and strengthened our relations with the Russian Federation. The Russian Federation and Pakistan have set up a Joint Working Group on combating terrorism and stability in Asia. They held the first meeting in Moscow on these two issues. I would like to know whether any interaction has taken place in regard to this Joint Working Group.

The Prime Minister has said in his statement, "President Putin and I agreed that our two countries have to take new initiatives to boost our trade and economic ties. We have to expand trade in high value, hi-tech items, as well as in areas such as oil and gas, diamonds, etc." Since there is a mention of commodities -- so far as Tamil Nadu is concerned, it is very important because maximum tea is exported to Russia -- I would like to know whether sale of tea had been included in your talks. If so, what was the reaction of the Russian Government? Thank you

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Madam, I whole-heartedly welcome the statement and the initiatives taken by the Prime Minister during the visit of the President of the Russian Federation. The joint statement and the Delhi Declaration clearly outline the long-standing relationship between these two great countries. In fact, I do not want to seek any clarification. I would just like to place on record our appreciation on the visit of President Putin and the way he endorsed our stand in regard to combating international cross-border terrorism. The type of support which we expected from the international community, which we were getting in the earlier days, has been doubly reinforced during the visit of President Putin. It was needed much more. I am glad that the Prime Minister had highlighted the agreement which we signed in the early 90s for the repayment of debts. Because of the changing situation, a special focussed attention is called for. In spite of all this, we wanted to sell our tea, tobacco,

etc. to the Russians. But because of the changing global scenario, diversification of our trade basket is absolutely called for. It is quite encouraging that this particular point had been highlighted and there was an agreement to set up a Joint Working Group to work out a mechanism for combating terrorism. These are all positive steps. I do hope after these initiatives it would be possible for us to strengthen the relationship between the two countries. Thank you.

SHRI MANOJ BHATTACHARYA (West Bengal): Madam, I would like to thank the hon. Prime Minister for making a statement in the House. I would like to seek only one clarification. President Putin of the Russian Federation and the hon. Prime Minister had discussed about the reconstruction of the war-ravaged Afghanistan. Perhaps, one more war is imminent on the soil of Iraq. Iraq is a traditional friend of India. I would like to know whether President Putin and the hon. Prime Minister would had some discussion to avert the war on one plea or the other. The USA is trying to impose a pre-emptive war on the Iraqi soil on one plea or the other. While discussing with Mr. Putin, have we taken some position to avoid such an unfortunate situation in Iraq? If not, then after some months or some years, we will have to work on some reconstruction of Iraq. So, I would like to know from hon. Prime Minister whether they held any comprehensive discussion to avoid this situation because Russia has played a vital role in the Security Council where India is also with Russia, for that matter. I would like to know whether a discussion has taken place with regard to the conspiracy of the United States of America? Thank you, Madam.

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : महोदया, मैं माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। जो वक्तव्य दिया था, उसका उन्होंने मोटे तौर पर स्वागत किया है। यह यात्रा बड़ी महत्वपूर्ण थी और इसकी उपलब्धियां भी ऐसी हैं जो भविष्य मे हमारे संबंधों को और भी सुदृढ़ करेंगी। कुछ प्रश्न पूछे गए हैं, जिनका मैं उत्तर देने का प्रयास करूंगा। रूस के राष्ट्रपति के साथ भारत, चीन और रूस के संबंधों के बारे में कोई समवेद चर्चा नहीं हुई। एक प्रस्ताव किया गया था उसके अनुसार न्यूयार्क में विदेश मंत्रियों की बैठक भी हुई थी। उसके आगे कोई ठोस कदम नहीं उठे हैं। जहां तक व्यापार का सवाल है, हमारा यह प्रयत्न रहा है, जैसा कि प्रणब बाबू ने कहा कि हमें ट्रेड की बास्केट और बढ़ानी है और नई चीज़ों का उसमें समावेश करना है। जो परम्परागत व्यापार है, यह तो चलता रहे और जब कभी रूस से बात होती है तो तीखी बात जरूर होती है, हमारे मित्रों को इसका भरोसा होना चाहिए। लेकिन और भी चीजें हैं जिनके कारण विश्व की बदलती हुई परिस्थितियों में जैसा कि प्रणब बाबू ने कहा कि हम अपना व्यापार और बढ़ाना चाहते हैं और इस दृष्टि से इस बात पर इस बैठक में बहुत जोर दिया गया था। जोइंट कमीशन बना है वह व्यापार को और बढ़ाने के बारे में और उसको किस तरह से विविधता

दी जाए, इसके बारे में भी विचार करेगा। जहां तक स्पेस का सवाल है, भारत हमेशा नॉन-वेपनाइजेशन आफ स्पेस इसका समर्थन करता रहा है। इस संबंध मे हमारी नीति मे कोई परिवर्तन नही हुआ। जो हमारे द्विपक्षीय दस्तावेज हैं उसको अगर आप देखेंगे तो उससे इस बात की पुष्टि हुई है। पहले भी किसी परिवर्तन का संकेत नही था। इराक के बारे मे कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई। मैं समझता हूं कि.....

**उपसभापति** : चाय के बारे में।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : चाय का मैंने उल्लेख किया था।

**उपसभापति** : काफी का-पूछा नही किसी ने। थैंक्यू।

SHRI S.VIDUTHALAI VIRUMBI: Madam, previously, much of the tea was exported from Ooty to Russia...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Expansion of economic relations includes tea and coffee.

**श्री बालकवि बैरागी** (मध्य प्रदेश): वह जानना चाहते हैं कि आपने तमिलनाडु की चाय पिलाई या नहीं पिलाई पुतिन साहब को यह बतला दीजिए।

**उपसभापति** : वह तो पुतिन साहब पिलाएंगे क्योकि वहां जाती है।

**संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन)** : वह कावेरी के पानी मे बनी थी।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, we come back to the Pre-natal Diagnostic Techniques Amendment Bill...

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM (Uttaranchal) : Madam, what about the clarifications on the statement made by the Home Minister?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us finish with the Bill first, and then, if the House agrees, we will take up the clarifications. Yes, Shri Javare Gowda.

---

## THE PRE-NATAL DIAGNOSTIC TECHNIQUES (REGULATION AND PREVENTION OF MISUSE) AMENDMENT BILL, 2002 - *(contd.)*

SHRI H.K. JAVARE GOWDA: Madam, I was making a point regarding cognizance of offence...*(Interruptions)*...